

निःसंचार वि. (तत्.) जिसकी गति न हो, जो संचरण न करे।

निःसंज्ञ वि. (तत्.) संज्ञाशून्य, मूर्छित होना।

निःसंतान वि. (तत्.) जिसके संतान न हो, निपूता।

निःसंदेह वि. (तत्.) संदेह रहित, जिसमें कुछ संदेह न हो बिना किसी संदेह के।

निःसंधि वि. (तत्.) 1. संधि शून्य, जिसमें कहीं दरार न हो 2. दृढ़ 3. कसा हुआ।

निःसंपात वि. (तत्.) 1. गमनागमन शून्य 2. रात 3. जिसमें या जहाँ आना जाना न हो।

निःसत्त्व पुं. (तत्.) जिसकी कुछ सत्ता न हो, जिसमें कुछ तत्त्व या सार न हो।

निःसपत्न पुं. (तत्.) 1. शत्रुरहित, जिसका कोई शत्रु न हो 2. निष्कंटक 3. प्रतिरोधी रहित।

निःसरण पुं. (तत्.) 1. निकलना 2. निकलने का रास्ता 3. कठिनाई से निकलने का रास्ता 4. निर्वाण 5. मरण।

निःसार वि. (तत्.) जिसमें कुछ सार न हो 2. जिसमें कुछ असलियत न हो 3. जिसमें प्रयोजन या महत्व की कोई बात न हो पुं. सहारे का पेड़, सोनापाठा।

निःसारण पुं. (तत्.) 1. निकालना 2. निकास, निकलने का द्वार।

निःसारा स्त्री. (तत्.) केले का वृक्ष, कदली।

निःस्नेहा स्त्री. (तत्.) तीसी, अलसी।

निःस्पंद वि. (तत्.) स्थिर, जो हिलता डुलता न हो, स्थिर।

निःस्पृह वि. (तत्.) इच्छा रहित, जिसे प्राप्ति की इच्छा न हो, निर्लोभ।

निःस्रव पुं. (तत्.) निकास, अवशेष, बचत।

निःसाव पुं. (तत्.) व्यय, खर्च करने का भाव, माँड़।

निःस्व पुं. (तत्.) 1. जिसका अपना कुछ न हो, जिसके पास कुछ न हो 2. धनहीन, दरिद्र।

निःस्वादु वि. (तत्.) स्वादरहित।

निःस्वार्थ वि. (तत्.) 1. जो अपना अर्थ साधन करने वाला न हो, जो अपना मतलब निकालने वाला न हो 2. जो अपने अर्थ साधन के निमित्त न हो 3. जो अपना मतलब निकालने के लिए न हो, निःस्वार्थ सेवा।

नि उप. (तत्.) एक उपसर्ग जिसके लगने से शब्दों में इन अर्थों की विशेषता होती है 1. संघ या समूह- निकर 2. अधोभाव- निपतित 3. अत्यन्त- नितांत 4. आदेश-निदेश 5. नित्य- निविशिष्ट 6. कौशल-निपुण आदि।

निअर अव्य. (तद्.) निकट, पास, समीप, समान, तुल्य।

निअराना स.क्रि. (देश.) निकट जाना, समीप पहुँचना। निकट आना, पास होना।

निऋति स्त्री. (तत्.) 1. नैऋत्य या दक्षिण पश्चिम कोण की अधिष्ठात्री देवी 2. अलक्ष्मी, लक्ष्मी की बड़ी बहन दरिद्रा 3. मृत्यु, नाश 4. पृथ्वी का तत्त्व 5. विपत्ति 6. मूल नामक नक्षत्र 7. राक्षस।

निकंटक वि. (तद्.) दे. निष्कंटक।

निकंदन पुं. (तत्.) नाश, संहार।

निकंद रोग पुं. (तत्.) एक योनि रोग दे. योनिकंद।

निकट अव्य. (तत्.) 1. पास का, जो दूर न हो 2. संबंध में जिससे विशेष अंतर न हो, पास, समीप, नजदीक।

निकटता स्त्री. (तत्.) समीपता, सामीप्य।

निकटवर्ती वि. (तत्.) पासवाला, समीपस्थ।

निकटस्थ वि. (तत्.) जो निकट हो, पास का, निकट संबंधी।

निकती स्त्री. (तत्.) छोटा तराजू, काँटा।

निकम्मा वि. (तत्.) जो कोई काम-धंधा न करे, जो किसी काम का न हो, जो किसी काम में न आ सके।